सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी

कार्यपरिषद् की बैठक

दिनांक - 15-04-2015
समय - अपराह्ण 03:30 बजे से
स्थान - योग साधना केन्द्र

उपस्थिति

1- प्रो. यदुनाथ प्रसाद दुबे, कुलपति- अध्यक्ष

2-	प्रो॰ शारदा चतुर्वेदी	3-	प्रो॰ शीतला प्रसाद उपाध्याय
4-	डा॰ रमेश प्रसाद	5-	डा॰ लतापंत तैलंग
6-	विजय कुमार पाण्डेय	7-	डा॰ शैलेश कुमार मिश्र
8-	वित्ताधिकारी	9-	कुलसचिव - सचिव

मंगलाचरण - प्रो॰ शीतला प्रसाद उपाध्याय जी

सर्वप्रथम कुलपति महोदय ने सभी सदस्यों का अभिनन्दन करते हुए कार्यपरिषद् की कार्यवाही प्रारम्भ करने की कुलसचिव को अनुमति प्रदान की।

कार्यक्रम :- परीक्षा समिति की बैठक दिनांक 15.04.2015 की संस्तुतियों पर विचार।

कार्यपरिषद् के समक्ष परीक्षा समिति की बैठक दिनांक 15.04.2015 की अधोलिखित संस्तुतियों को प्रस्तुत किया गया।

1- 2015 वर्षीय मुख्य परीक्षा दिनांक 25.05.2015 से प्रारम्भ होगी।

2- विश्वविद्यालय के संस्थागत छात्रों की परीक्षा फार्म भरने की तिथि दिनांक 19.4.2015 से 26.04.2015 तक निर्धारित की गयी।

3- विश्वविद्यालय के व्यक्तिगत, श्रेणीसुधार, बैक एवं एक विषयक परीक्षा फार्म भरने की तिथि 19.04.2015 से 30.04.2015 तक निर्धारित किया गया है।

4- विश्वविद्यालय के ऐसे संस्थागत छात्र जो नियमित मानक के अर्हता पूर्ण नही करते हैं, वे संस्थागत परीक्षावेदनपत्र भरने से वंचित कर दिये गये हैं, उन छात्र/छात्राओं को व्यक्तिगत परीक्षावेदन पत्र भरने की अनुमति प्रदान की गयी है। वे छात्र-छात्रायें व्यक्तिगत परीक्षा शुल्क जमा कर परीक्षावेदन पत्र भरेंगें तथा प्रवेश के समय उनके द्वारा लिया गया परीक्षा शुल्क छात्रकल्याण संकाय के संस्तुति के पश्चात् चेक के माध्यम से वापस किया

जायेगा। किन्तु 0% की उपस्थिति वाले विद्यार्थियो को परीक्षावेदन पत्र भरने की अनुमति प्रदान नही की जा सकती है।

विचार-विमर्श के पश्चात् कार्यपरिषद् ने सर्व सम्मत्ति से परीक्षा समिति की बैठक दिनांक 15.04.2015 में की गयी संस्तुतियों पर अपनी स्वीकृति प्रदान की।

तत् पश्चात् कुलपति महोदय ने कार्यपरिषद् को अवगत कराया कि विगत चार वर्षो में विश्वविद्यालय के परीक्षाओं का प्रश्नपत्र मुद्रण एवं उत्तर पुस्तिकाओं का निर्माण विश्वविद्यालय स्थित प्रेस में ही शुचिता के साथ होता रहा है। इस कार्य में विश्वविद्यालय के सभी वर्गो का सहयोग भी सराहनीय रहा है तथा इससे विश्वविद्यालय को वित्तीय लाभ भी हुआ है। पूर्व के अनुभव को दृष्टि में रखते हुए विश्वविद्यालय की परीक्षा समिति तथा विश्वविद्यालय के संकायाध्यक्ष एवं अध्यापकों ने भी प्रश्नपत्र मुद्रण विश्वविद्यालय प्रेस में कराये जाने के लिए अनुरोध किया है।

विगत वर्षो के अनुभव को दृष्टि में रखते हुए कुलपति जी ने कार्यपरिषद् के समक्ष प्रस्ताव प्रस्तुत किया कि विश्वविद्यालय परीक्षाओं का प्रश्नपत्र मुद्रण तथा उत्तर पुस्तिका का निर्माण विश्वविद्यालय के प्रेस में कराया जाय और इसकी समस्त जिम्मेदारी प्रेस मैनेजर की होगी, क्योंकि कुलसचिव ने परिसर में गोपनीय मुद्रण का कार्य कराने में सुरक्षा एवं गोपनीयता की दृष्टि से असुरक्षा महसूस किया है और स्वयं को परिसर में गोपनीय मुद्रण की प्रक्रिया से अलग रखने का अनुरोध किया है।

कुलपति महोदय के उपर्युक्त प्रस्ताव पर कार्यपरिषद् ने सर्वसम्मत्ति से निर्णय लिया कि विश्वविद्यालय की परीक्षाओं का प्रश्नपत्र मुद्रण तथा उत्तर पुस्तिकाओं का निर्माण पूर्व वर्षो की भाँति विश्वविद्यालय स्थित प्रेस से ही कराया जाय तथा इस कार्य की समस्त जिम्मेदारी प्रेस मैनेजर को सौपी जाय और कुलसचिव के अनुरोध को भी स्वीकार किया गया।

अंत में कुलपति महोदय ने समस्त सदस्यों सहित विश्वविद्यालय परिवार को धन्यवाद देते हुए कहा कि उनके ही अथक प्रयास से विश्वविद्यालय को नैक द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त हुआ है और आगे भी विश्वविद्यालय के प्रगति में उनका सहयोग प्राप्त होता रहेगा। तत् पश्चात् सभा विसर्जन की घोषणा की।

कुलसचिव
सं.सं.वि.वि.,वाराणसी

15/4/15
15.04.15 DR(A)
15/4/15
15.4.15 VC

E:\Word\Kp\2015\Em 15.04.2015\1